

JOH. SEB. BACH

DAS WOHLTEMPERIERTE KLAVIER

TEIL I

NACH DER EIGENSCHRIFT UND
ABSCHRIFTEN AUS BACHS SCHÜLERKREIS
HERAUSGEGEBEN VON
OTTO VON IRMER

FINGERSATZ VON
HANS-MARTIN THEOPOLD



G. HENLE VERLAG MÜNCHEN

INHALT

BWV 846-869

PRAELUDIEN

FUGEN

PRAELUDIEN

FUGEN

1. Seite 4 a 4 voci

2. Seite 8 a 3 voci

3. Seite 12 a 3 voci

4. Seite 18 a 5 voci

5. Seite 24 a 4 voci

6. Seite 28 a 3 voci

7. Seite 32 a 3 voci

8. Seite 38 a 3 voci

9. Seite 44 a 3 voci

10. Seite 48 a 2 voci

11. Seite 54 a 3 voci

12. Seite 58 a 4 voci



13. Seite 64 a 3 voci

14. Seite 68 a 4 voci

15. Seite 72 a 3 voci

16. Seite 78 a 4 voci

17. Seite 82 a 4 voci

18. Seite 86 a 4 voci

19. Seite 90 a 3 voci

20. Seite 96 a 4 voci

21. Seite 104 a 3 voci

22. Seite 108 a 5 voci

23. Seite 112 a 4 voci

24. Seite 116 (Andante) a 4 voci
Largo



JOH. SEB. BACH

DAS WOHLTEMPERIERTE KLAVIER

TEIL II

NACH DER EIGENSCHRIFT UND
ABSCHRIFTEN AUS BACHS SCHÜLERKREIS
HERAUSGEGEBEN VON
OTTO VON IRMER

FINGERSATZ VON
HANS-MARTIN THEOPOLD



G. HENLE VERLAG MÜNCHEN

INHALT

BWV 870-893

PRAELUDIEN

FUGEN

PRAELUDIEN

FUGEN

- | | | | |
|---|---|--|---|
| Seite 4 | a 3 voci | Seite 65 | a 3 voci |
| 1.  |  | 13.  |  |
| Seite 8 | a 4 voci | Seite 72 | a 3 voci |
| 2.  |  | 14.  |  |
| Seite 12 | a 3 voci | Seite 78 | a 3 voci |
| 3.  |  | 15.  |  |
| Seite 16 | a 3 voci | Seite 82 | a 4 voci |
| 4.  |  | 16.  |  |
| Seite 22 | a 4 voci | Seite 88 | a 4 voci |
| 5.  |  | 17.  |  |
| Seite 28 | a 3 voci | Seite 96 | a 3 voci |
| 6.  |  | 18.  |  |
| Seite 32 | a 4 voci | Seite 104 | a 3 voci |
| 7.  |  | 19.  |  |
| Seite 36 | a 4 voci | Seite 108 | a 3 voci |
| 8.  |  | 20.  |  |
| Seite 42 | a 4 voci | Seite 112 | a 3 voci |
| 9.  |  | 21.  |  |
| Seite 46 | a 3 voci | Seite 118 | a 4 voci |
| 10.  |  | 22.  |  |
| Seite 54 | a 3 voci | Seite 126 | a 4 voci |
| 11.  |  | 23.  |  |
| Seite 60 | a 3 voci | Seite 132 | a 3 voci |
| 12.  |  | 24.  |  |